Pioneer (Hindi)

25 March, 2017

कारोबार वृद्धि के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल फायदेमंद

एजेंसी। नई दिल्ली

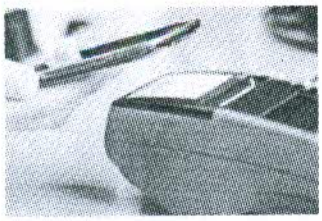

भारत में आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने से लघु एवं मध्यम कारोबारी इकाइयों को विदेशी बाजारों में अच्छी पहुंच मिल सकती है। इससे कंपनियों के राजस्व में 27 प्रतिशत और रोजगार के अवसरों में 84 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है।

उद्योग मंडल एसोचैम-डेलायट के इस अध्ययन में कहा गया है, ''भारत में अत्याधुनिक कारोबारी डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने से राजस्व में 27 प्रतिशत, रोजगार में 84 प्रतिशत और लघु एवं मध्यम इकाइयों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच में 65 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है।

डिजिटल इनफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता बढ़ने से विभिन्न स्तर पर संचार माध्यमों से ही व्यक्ति की उपस्थिति हो सकती है। इस तरह की सुविधा होने से व्यावसायियों की दौड़ भाग कम होगी जिससे उनकी लागत भी कम होगी। डिजिटल प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर्मचारियों का गठबंधन और संतुष्टि को बढ़ा सकता है जिसका कामकाज और उत्पादकता पर सकारात्मक असर होगा।

'डिजिटल इंडिया: अरबों डालर के अवसर' नामक इस अध्ययन में कहा गया है, ''भारत में अनुमान है कि आधुनिक डिजिटल माध्यमों से लैस लघु, मझोली इकाइयों में कर्मचारी ऑफ लाइन कारोबार के मुकाबले 8.7 गुणा अधिक जुड़े रह सकते हैं।''

सरकार ने भारत में कारोबार सुगमता के सुधार लाने के लिए कई उपाय किए हैं। ई-बिजनेस पोर्टल, केवाईसी और अन्य ई-गवर्नेंस पहलों को शुरू किया गया है ताकि कारोबार सुगमता को और बेहतर बनाया जा सके। इसमें आगे और सुधार आने की उम्मीद की जा रही है। इसमें कहा गया है कि टेलिप्रजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग टैक्नालाजीज जैसे माध्यमों से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

Virat Vaibhav

25 March, 2017

कारोबार वृद्धि के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल फायदेमंद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने सेलघु एवं मध्यम कारोबारी इकाइयों को विदेशी बाजारों में अच्छी पहुंच मिल सकती है। इससे कंपनियों के राजस्व में 27 प्रतिशत और रोजगार के अवसरों में 84 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। उद्योग मंडल एसोचैम-डेलायट के इस अध्ययन में कहा गया है, 'भारत में अत्याधुनिक कारोबारी डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने से राजस्व में 27 प्रतिशत, रोजगार में 84 प्रतिशत और लघु एवं मध्यम इकाइयों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच में 65 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है।' डिजिटल इनफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता बढ़ने से विभिन्न स्तर पर संचार माध्यमों से ही व्यक्ति की उपस्थिति हो सकती है। इस तरह की सुविधा होने से व्यावसायियों की दौड़ भाग कम होगी जिससे उनकी लागत भी कम होगी। डिजिटल प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर्मचारियों का गठबंधन और संतुष्टि को बढ़ा सकता है जिसका कामकाज और उत्पादकता पर सकारात्मक असर होगा। 'डिजिटल इंडिया- अरबों डालर के अवसर' नामक इस अध्ययन में कहा गया है, 'भारत में अनुमान है कि आधुनिक डिजिटल माध्यमों से लैस लघु, मझोली इकाइयों में कर्मचारी ऑफ लाइन कारोबार के मुकाबले 8.7 गुणा अधिक जुड़े रह सकते हैं।' सरकार ने भारत में कारोबार सुगमता के सुधार लाने के लिए कई उपाय किए हैं। ई-बिजनेस पोर्टल, केवाईसी और अन्य ई-गवर्नेंस पहलों को शुरू किया गया है ताकि कारोबार सुगमता को और बेहतर बनाया जा सके। इसमें आगे और सुधार आने की उम्मीद की जा रही है। इसमें कहा गया है कि टेलिप्रजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग टैक्नालाजीज जैसे माध्यमों से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

Naya India

25 March, 2017

डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल फायदेमंद

डिजिटल इनफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता बढने से विभिन्न स्तर पर संचार माध्यमों से ही व्यक्ति की उपस्थिति हो सकती है।

नई दिल्ली ■ भाषा/डेस्क

भारत में आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने से लघु एवं मध्यम कारोबारी इकाइयों को विदेशी बाजारों में अच्छी पहुंच मिल सकती है। इससे कंपनियों के राजस्व में 27 प्रतिशत और रोजगार के अवसरों में 84 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है।

उद्योग मंडल एसोचैम-डेलायट के इस अध्ययन में कहा गया है, भारत में अत्याधुनिक कारोबारी डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने से राजस्व में 27 प्रतिशत, रोजगार में 84 प्रतिशत और लघु एवं मध्यम इकाइयों के लिये

अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच में 65 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है।

डिजिटल इनफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता बढने से विभिन्न स्तर पर संचार माध्यमों से ही व्यक्ति की उपस्थिति हो सकती है। इस तरह की सुविधा होने से व्यावसायियों की दौड भाग कम होगी जिससे उनकी लागत भी कम होगी।

डिजिटल प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर्मचारियों का गठबंधन और संतुष्टि को बढा सकता है जिसका कामकाज और उत्पादकता पर सकारात्मक असर होगा।

'डिजिटल इंडियाः अरबों डालर के अवसर' नामक इस अध्ययन में कहा गया है, भारत में अनुमान है कि आधुनिक डिजिटल माध्यमों से लैस लघु, मझोली इकाइयों में कर्मचारी ऑफ लाइन कारोबार के मुकाबले 8.7 गुणा अधिक जुडे रह सकते हैं। सरकार ने भारत में कारोबार सुगमता के सुधार लाने के लिये कई उपाय किये हैं। ई-बिजनेस पोर्टल, केवाईसी और अन्य ई-गवनेर्ंस पहलों को शुरू किया गया है ताकि कारोबार सुगमता को और बेहतर बनाया जा सके। इसमें आगे और सुधार आने की उम्मीद की जा रही है।

इसमें कहा गया है कि टेलिप्रजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग टेक्नालाजीज जैसे माध्यमों से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आयेगी।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Dabang Duniya **25 March, 2017**

रिपोर्ट...

डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल फायदेमंद : अध्ययन

रोजगार के अवसरों में 84% की वृद्धि

एजेंसी ✡ नई दिल्ली

भारत में आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने से लघु एवं मध्यम कारोबारी इकाइयों को विदेशी बाजारों में अच्छी पहुंच मिल सकती है। इससे कंपनियों के राजस्व में 27 प्रतिशत और रोजगार के अवसरों में 84 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। इस अध्ययन रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टेलिप्रजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज जैसे माध्यमों से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

एसोचैम-डेलायट की संयुक्त अध्ययन

उद्योग मंडल एसोचैम-डेलायट की ओर की जारी इस अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है,'भारत में अत्याधुनिक कारोबारी डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने से राजस्व में 27 प्रतिशत, रोजगार में 84 प्रतिशत और लघु एवं मध्यम इकाइयों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच में 65 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है।'

डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता बढ़ने से विभिन्न स्तर पर संचार माध्यमों से ही व्यक्ति की उपस्थिति हो सकती है। इस तरह की सुविधा होने से व्यापारियों और उद्यमियों की दौड़ भाग कम होगी, जिससे उनकी लागत भी कम होगी। डिजिटल

प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर्मचारियों के गठबंधन और संतुष्टि को बढ़ा सकता है, जिसका कामकाज और उत्पादकता पर सकारात्मक असर होगा।

'डिजिटल इंडिया: अरबों डॉलर के अवसर' नामक इस अध्ययन में कहा गया है, 'भारत में अनुमान है कि आधुनिक डिजिटल माध्यमों से लैस लघु, मझोली इकाइयां में कर्मचारी ऑफ लाइन कारोबार के मुकाबले 8.7 गुणा अधिक जुड़े रह सकते हैं।' सरकार ने भारत में कारोबार सुगमता के सुधार लाने के लिए कई उपाय किये हैं। ई-बिजनेस पोर्टल, केवाईसी और अन्य ई-गवर्नेंस पहलों को शुरू किया गया है ताकि कारोबार सुगमता को और बेहतर बनाया जा सके। इसमें आगे और सुधार आने की उम्मीद की जा रही है।

उत्पादकता पर पड़ेगा असर